28/1/202

मानव विकास का अर्थ एवं परिभाषायें →

मानव विकास का साधारण अर्थ मनुष्य के विकसित होने से है, उचित वातावरण पाकर मनुष्य अपनी आनुवंशिक योग्यताओं में वृद्धि करता है। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं। कि मानवीय संभावनाओं का विकास ही मानव विकास है।

मानव विकास की कुछ महत्वपूर्ण परिभाषायें इस प्रकार है –

वॉटसन के शब्दों में →

"मनुष्य का वैज्ञानिक अध्ययन ही मानव विकास की आधारशिला है"

डार्विन के अनुसार

"मानव एवं उसकी प्रकृति के विषय में वैज्ञानिक ढंग से सूचनायें प्राप्त करने का मुख्य स्त्रोत बालक है,"

वुडवर्थ के अनुसार

"मानव विकास के अध्ययन के अन्तर्गत व्यक्ति के व्यवहार द्वारा उत्तेजनाओं को दी गयी अपनी क्रियाओं एवं प्रतिक्रियाओं का योग सम्मिलित है,,

Date 28/1/2022
Page

क्रो एवं क्रो के अनुसार

"बालक की भ्रूणावस्था से प्रारम्भ होकर मृत्युपर्यन्त विकास का अध्ययन ही मानव विकास है"

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि मानव का प्रारम्भ जन्म से नहीं होता बल्कि जीवन का प्रारम्भ गर्भधारण के समय से होता है। इस प्रकार मानव का जन्म तो मानव विकास के क्रम में घटित होने वाला एक परिवर्तन है। यह वह परिवर्तन है। जिससे मानव प्राणी आन्तरिक वातावरण को त्यागकर बाह्य वातावरण में पदार्पण करता है। आन्तारिक वातावरण को त्यागना और बाह्य वातावरण में पदार्पण होना एक प्राकृतिक या स्वाभाविक प्रक्रिया है। इस प्रकार मानव का विकास जीवनपर्यन्त चलता रहता है।

प्राचार्य
वीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
... बलिया